पंचायत राज
एवं
ग्रामीण विकास

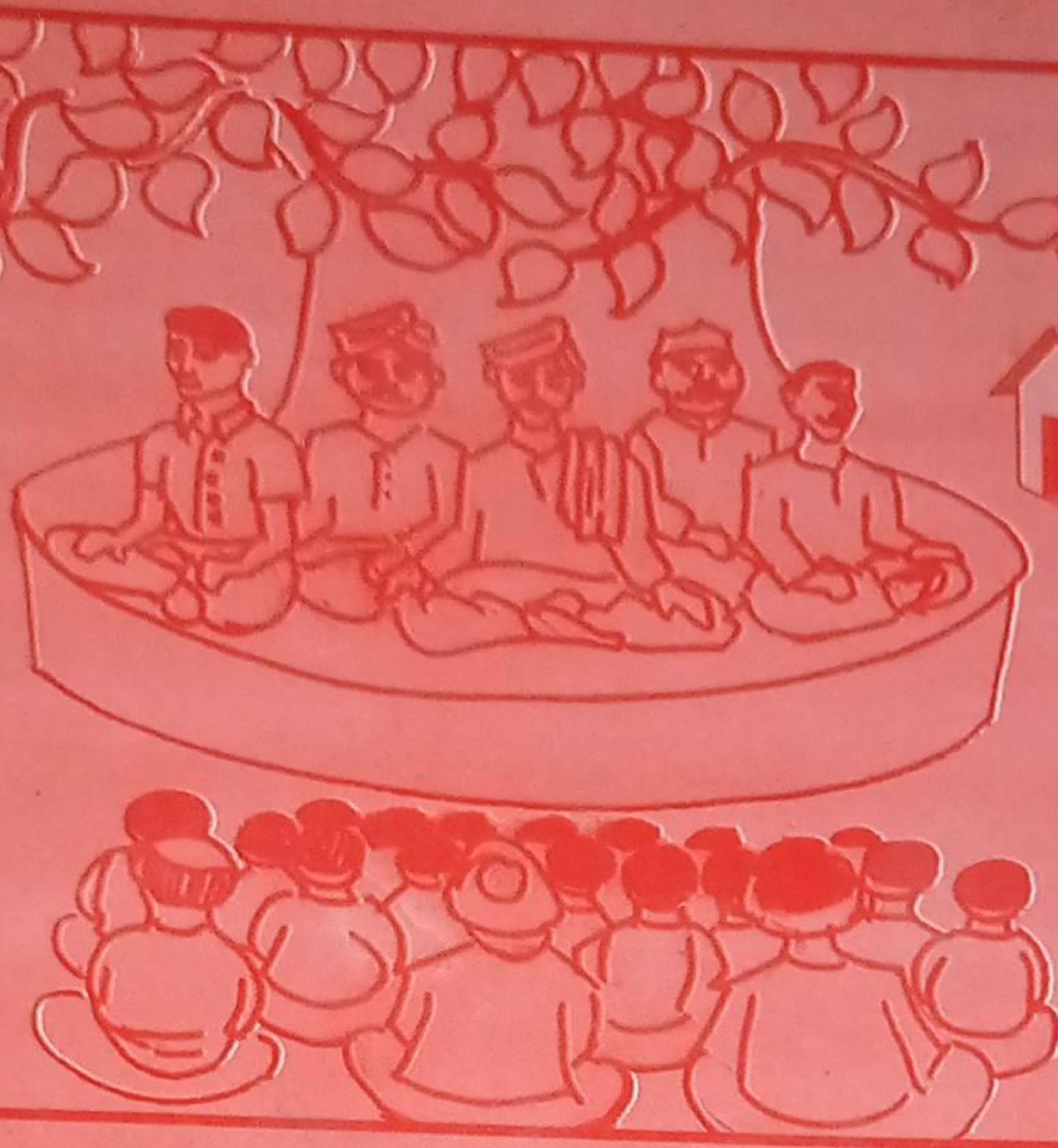

संपादक
डॉ. श्रीनाथ शर्मा
डॉ. मनोज कुमार सिंह

Scanned by TapScanner

अनुक्रमणिका

भूमिका — पृष्ठ संख्या

अध्याय

1. पन्ना जिले में एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रमः एक मूल्यांकन 1
   –प्रो० बी०आर० पुरोहित
   –डॉ० सन्दीप जोशी
2. लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण की अवधारणा एवं भारत में पंचायत राज का विकास 15
   –डॉ० रामसखा गौतम
3. पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास 24
   –डॉ० डी० एस० बघेल
4. समता और लोकतंत्र के पराभव की आशंका और इक्कीसवीं सदी 27
   –डॉ० श्रीनाथ शर्मा
5. मध्यप्रदेश में पंचायती राज 32
   –डॉ० बी०जी० शुक्ल
   –डॉ० एस० अखिलेश
6. महिलाओं के लिए आरक्षण, पंचायती राज व ग्राम विकास 38
   –डॉ० आर०पी० सिंह
7. ग्रामीण नेतृत्व–पंचायती राज और सामाजिक विकास 43
   –डॉ० आनन्द प्रकाश सिंह
   –डॉ० शोभाशंकर
8. सत्ता का विकेन्द्रीकरण और पंचायती राज की सार्थकता 49
   –डॉ० (श्रीमती) गिरिजेश शाक्य
   –डॉ० कु० लक्ष्मी उपाध्याय
9. ग्रामीण विकास और गांधी दर्शन 60
   –डॉ० ऊषा मिश्रा

Scanned by TapScanner